आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

बुधवार 27.08.2025 समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के आह्वान को आत्मसात करते हुए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की।
- पौड़ी गढ़वाल में 6 अगस्त को आई आपदा के प्रभावितों को राज्य सरकार अब धराली और थराली की तर्ज पर राहत पैकेज देगी।
- अल्मोड़ा जिले के तीन ब्लाकों में जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना की शुरुआत।
- मौसम विभाग ने 30 अगस्त तक राज्य में तेज बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है।

'स्वदेशी अपनाओ, राष्ट्र को आगे बढ़ाओ'

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के पलटन बाजार में आयोजित 'स्वदेशी अपनाओ, राष्ट्र को आगे बढ़ाओ' जन जागरूकता अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के आह्वान को आत्मसात करते हुए स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देने से देश की आर्थिक स्थिति और स्थानीय रोजगार मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाना केवल आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। श्री धामी ने व्यापारियों से अपनी दुकानों पर स्वदेशी नेमप्लेट लगाने की अपील की, ताकि उपभोक्ताओं में स्वदेशी के प्रति विश्वास और गौरव की भावना विकसित हो। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बाजार में दुकानों पर 'स्वदेशी अपनाओ, राष्ट्र को मजबूत बनाओ' के स्टीकर लगाए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, व्यापार संघों के पदाधिकारियों, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय लोगों ने भी अभियान में भाग लिया।

राहत पैकेज

पौड़ी गढ़वाल में 6 अगस्त को आई आपदा के प्रभावितों को राज्य सरकार अब धराली और थराली की तर्ज पर राहत पैकेज देगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की है कि जिनके मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें 5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आपदा में जान गंवाने वालों के परिजनों को भी 5–5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसका एक हिस्सा एसडीआरएफ फंड से और बाकी मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को प्रभावित परिवारों तक राहत राशि जल्द पहुंचाने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि 6 अगस्त को पौड़ी तहसील के ग्राम सैंजी, पट्टी बाली कण्डारस्यूं और ग्राम रैदुल, पट्टी पैडुलस्यूं में भारी बारिश से भूस्खलन हुआ। इस प्राकृतिक आपदा में कई आवासीय भवनों और कृषि भूमि को भारी नुकसान हुआ था।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने 22 अगस्त को थराली में आई आपदा का वैज्ञानिक अध्ययन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह पता लगाना आवश्यक है कि हिमालयी क्षेत्रों में ऐसी घटनाएँ क्यों बढ़ रही हैं और पानी के साथ इतना मलबा कैसे नीचे आ रहा है। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने बताया कि विशेषज्ञ शीघ्र ही थराली का दौरा करेंगे।

जीवंत गांव कार्यक्रम

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन देश और उसकी सीमाओं की सुरक्षा को सीधे प्रभावित करते हैं। नई दिल्ली में दो दिन के जीवंत गांव कार्यक्रम की कार्यशाला में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सीमावर्ती गांवों से पलायन रोकने और शत–प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया था। गृह मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम सीमावर्ती गांवों में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देकर, संस्कृति और पर्यटन के संरक्षण तथा संवर्धन से रोज़गार को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में इसके कार्यान्वयन के बाद कई सीमावर्ती गांवों की जनसंख्या में वृद्धि हुई है।

<u>राज्यपाल</u>

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने देहरादून स्थित राजभवन में आयोजित जन मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और दूरस्थ क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में उत्तरकाशी, चमोली, हरिद्वार और देहरादून जिलों से आए नौ व्यक्तियों ने अपनी–अपनी समस्याएं राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत कीं। इनमें दिव्यांग पेंशन में वृद्धि, रोजगार उपलब्ध कराए जाने, ग्राम विकास कार्यों में सहयोग, आर्थिक सहायता तथा अन्य व्यक्तिगत व सामुदायिक मुद्दे शामिल थे।

सारा बैठक

अल्मोड़ा जिले के तीन ब्लॉकों में पारंपरिक कृषि प्रणाली में वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए जलवायु अनुकूल बारानी आधारित कृषि परियोजना शुरू की जाएगी। यह निर्णय जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे की अध्यक्षता में बारानी आधारित कृषि, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और जिला स्तरीय स्प्रिंग एंड रिवर रिजूवेशन एथॉरिटी की बैठक में लिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि उत्पादन को बढ़ावा देना, कृषकों की आय में वृद्धि करना और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना है। जलागम प्रबंधन परियोजना के उप निदेशक अजय कुमार ने बताया कि बारानी आधारित कृषि परियोजना के अंतर्गत जिले में उन्नत कृषि की तकनीक पर आधारित कृषि परियोजना क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस कृषि योजना के अंतर्गत ग्रीनहाउस गैसों में कमी लाने के लिए सक्षम और सुदृढ़ उत्पादन प्रणाली विकसित की जानी है।

माँ बाल सुंदरी देवी की यात्रा

उधम सिंह नगर के काशीपुर में मां बाल सुंदरी देवी की ध्वजा यात्रा बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। काशीपुर के मां बाल सुंदरी मंदिर में हर साल चैत्र नवरात्रि के पहले नवरात्रि से चैती मेले का आयोजन किया जाता है। मां बाल देवी मंदिर के मुख्य पंडा विकास अग्निहोत्री ने बताया कि चैत्र मास के पहले नवरात्रि से ठीक 6 महीने पहले भाद्रपद मास की द्वितीया (दोयज) तिथि को मां बाल सुंदरी देवी की ध्वजा यात्रा निकाली जाती है। उन्होंने बताया कि 20 मार्च से चैत्र मास के प्रथम नवरात्रि पर मां बाल सुंदरी देवी मंदिर में ध्वजारोहण के साथ चैती मेले का शुभारंभ होगा।

मौसम

मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून ने 30 अगस्त तक राज्य में तेज बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग ने आज गढ़वाल मंडल के पर्वतीय जिलों में बारिश की संभावना व्यक्त की है। साथ ही, अगले दो दिन राज्य के कुछ जिलों में मूसलाधार बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पिथौरागढ़ और बागेश्वर में कल भारी बारिश की चेतावनी है। राज्य के पर्वतीय अंचल में बारिश और भूस्खलन के कारण लगातार अवरूद्ध हो रहे मार्गों को खोलने का प्रयास जारी है।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर...

देवभूमि उत्तराखंड को नशा मुक्त बनाने की खबर को सभी समाचार पत्रों ने प्राथमिकता के साथ स्थान दिया है। हिन्दुस्तान समाचार पत्र ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हवाले से लिखा– ड्रग्स फ्री उत्तराखंड के लिए सख्त अभियान।

कांग्रेस के राजभवन कूच खबर को भी सभी समाचार पत्रों ने अपनी सुर्खी में शामिल किया है। हिन्दुस्तान समाचार पत्र की हैडिंग– लचर कानून व्यवस्था पर कांग्रेस का कूच। इसी समाचार पर दैनिक जागरण का शीर्षक है– कांग्रेस का राजभवन कूच, रोकने पर पुलिस से हुई धक्का–मुक्की।

देहरादून नगर निगम की भूमि से अतिक्रमण हटाने की खबर पर दैनिक जागरण ने लिखा है– अब 48 घंटे में हटेगा निगम की जमीन से अतिक्रमण।